Talk on Blood Cancer awareness

विश्व रक्तदाता दिवस पर ब्लड कैंसर से बचाव के प्रति किया जागरूक

- विश्व रक्तदाता दिवस पर दैनिक जागरण व इक्फाई विवि ने आयोजित किया सेमिनार

विश्व रक्तदाता दिवस पर इक्फाई विवि में ब्लड कैंसर संबंधी जानकारी देती डा. आवृति बवेजा ● जागरण

WORLD BLOOD DONOR DAY 2023

जागरण संवाददाता, देहरादून: विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर दैनिक जागरण व इक्फाई विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित सेमिनार में छात्र-छात्राओं को ब्लड कैंसर के शुरुआती लक्षण, बचाव और स्टेम सेल्स ट्रांसप्लांट आदि से संबंधित जानकारी दी गई।

बुधवार को सेलाकुई स्थित इक्फाई विवि में आयोजित सेमिनार की शुरुआत मुख्य अतिथि हिमेटोलाजिस्ट डा. आवृत्ति बवेजा, कुलपति डा. राम करन सिंह और रजिस्ट्रार डा. आरसी रमोला ने दीप प्रज्वलित कर की। मुख्य अतिथि डा. बवेजा ने कहा कि रक्त शरीर की सबसे चुनौतीपूर्ण और महत्वपूर्ण चीज है। हर किसी को रक्तदान करना चाहिए। इस दौरान उन्होंने लियूकेमिया, लिंफोमा और मायलोमा ब्लड कैंसर के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की।

बताया कि ब्लड कैंसर होने का मुख्य कारण ब्लड सेल्स का असाधारण विकास है। ब्लड कैंसर होने के कारण परिवारिक इतिहास, संक्रमण, स्व बीमारी, रसायन, धूमपान, खानपान आदि शामिल हैं। इसमें परिवारिक इतिहास कारक के मामले बहुत ही कम आते हैं। कहा कि अगर किसी को इसके लक्षण महसूस होते हैं, तो इसमें किसी प्रकार की देरी न करते हुए तुरंत डाक्टर से संपर्क करें।

बोन मैरो ट्रांसप्लांट के स्थान पर अब स्टेम सेल्स ट्रांसप्लांट

डा. बवेजा ने बताया कि अब ब्लड कैंसर के मरीज को बोन मैरो ट्रांसप्लांट की आवश्यकता अब इसका इलाज स्टेम को किया जा सकता है। इसमें रक्तदाता से ही स्टेम सेल्स लेकर ट्रांसप्लांट जा सकता है।

ब्लड कैंसर जागरूकत सेमिनार में उपस्थित इक्फाई विश्वविद्या के वरिष्ठ शिक्षक ए छात्राएं ● जागर

विश्व में कैंसर एक बढ़ती चुनौती

विश्वविद्यालय के कुलपति डा. राम करन सिंह ने कहा कि कैंसर जैसी चुनौती वैश्विक स्तर पर लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए जलचक्र, वायुचक्र और भोजन चक्र जिम्मेदार हैं। इसके लिए गुणवत्तापूर्ण चीजों का सेवन करने की आवश्यकता है। कहा कि ये वैश्विक समाज के लिए एक बड़ी चुनौती है। इन चुनौतियों पर काबू पाने के लिए स्थायी जीवनशैली को अपनाना चाहिए।

ब्लड कैंसर के लक्षण

- रात में पसीना आना, खुजली होना, सूजी हुई लसीका ग्रंथियां, थकान महसूस होना, बुखार, वजन कम होना,

ब्लड कैंसर के निवारण

- जीवनशैली में बदलाव, भारी धातुओं जैसे अरस क, मरकरी आदि के संपर्क में नहीं आना, नियमित कराएं, आनुवंशिक परामर्श लेते रहें